

हे प्राणप्रिय, हे प्रितम..!
तुम्हारी मिट्टी, मेरी मेहनत..,
तुम्हारा त्याग, मेरा कौशल..,
मेरा प्रहार, तेरी सहनशीलता,
मेरा कटुपन, तेरा सौन्दर्य..,
काश, कि एक फूल खिला पाते..!,